बेकार को साकार करके लाभ कमाये – डॉ. बी. पी. भट्ट

झाँसी। 12 अक्टूबर, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वि"ोष राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य विषय ''वेस्ट टू वेल्थ'' था जो कि प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (PM-STIAC) के नौ राष्ट्रीय मि"ानों में से एक है। डॉ. बी.पी. भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं डॉ. जे. पी. मिश्रा, सहायक महानिदे"ाक (अन्तर्राष्ट्रीय संबंध), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने वि"िाष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. बी.पी. भट्ट ने ''वेस्ट टू वेल्थ'' पर वि"ोष व्याख्यान करते हुए कहा कि यह मि"ान मूल रूप से कचरे से ऊर्जा पैदा करना, अपि"ाष्ट पदार्थों के पुनर्चक्रण आदि पर केन्द्रित है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रत्येक दिन के कूड़े–कचरे को उपयोगी संसाधनों में पुनर्चक्रित करने की आव"यकता है।

डॉ. जे. पी. मिश्रा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमारे भारतवर्ष में कूड़े–कचरे के प्रसंस्करण, उपचार और निपटान संबंधित प्रौद्योगिकियों की आव"यकता है जिससे कि कचरे का खाद, ऊर्जा, पुनर्नवीनीकरण सामग्री और अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद में परिवर्तन हो सके। इस प्रकार से यह अपि"ाष्ट प्रबंधन संसाधनों के सतत् प्रबंधन में मदद् करेगा।

इस कार्यक्रम के दौरान वि"िाष्ट अतिथियों के साथ संस्थान के केंचुआ खाद इकाई (वर्मीकम्पोस्ट यूनिट) पर संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारीगणों, कृषकों एवं छात्र–छात्राओं ने गोबर, पेड़ की सड़ी पत्तियाँ, घास–फूस आदि से बनायी गयी केंचुआ खाद बनाने की विधि का अवलोकन किया।

कार्यक्रम के समापन में संस्थान के निदे"ाक डॉ. ए. अरूणाचलम ने बताया कि आज के युग में कचरे का प्रबंधन अति–आव"यक है, वि"व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 तक भारत का प्रतिदिन अपि"ाष्ट उत्पादन 3,77,000 टन तक पहुँच जाएगा, इसलिए अपि"ाष्ट प्रबंधन की दक्षता में सुधार करना समय की आव"यकता है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि भविष्य में हमें अपने संस्थान को कार्बन न्यूट्रल इको–सिस्टम के रूप में बनाने की जरूरत है।

कार्यक्रम की शुरुआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारीगण, कृषक एवं छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ए. के. हाण्डा ने किया।

WELCOME
विशेष राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान
विषयः वेस्ट टू वेल्थ
12 अक्टूबर 2021
भाकृअनुप - केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी

WELCOME
विशेष राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान
विषयः वेस्ट टू वेल्थ